Paper - V

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - V

Time : 3 Hours **(Pages 09)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (8)

1) उत्तर लिखिए। 2

i) ग्वाले के अनुसार इससे घर चलता है -
ii) इससे गृहस्थी नहीं चलती -
iii) ग्वाला बीस सेर दूध में इतना पानी डालता था -
iv) इसके घूसरेट फिक्स हैं -

वह हफ्ते में एक बार शहर के बाहर नाके पर खड़ा हो जाता था और देहात से दूध लाने वाले ग्वालों के दूध में डिग्री लगाता था। यदि दूध में पानी होता, तो वह सैंपल की बोतल भर लेता और ग्वाले से कहता, ''अब कचहरी में मिलना।''

ग्वाला कहता, ''छोड़ दो मालिक।''

वह कहता, ''तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो ।''

ग्वाला कहता, ''हुजूर, भ्रष्टाचार से तो गृहस्थी चलती है । विशुद्ध दूध बेचूँगा तो शुद्ध गृहस्थी कैसे चलेगी।'' ग्वाला विचार करता ।

अब चपरासी कहता, ''अबे, समझा नहीं ?'' दूध में पानी मिलाता है और अकल नहीं रखता ? चल उधर कोने में।'' ग्वाला कोने में चला जाता। चपरासी पूछता, ''कितना दूध लाता है ?''

''बीस सेर ।''

''पानी कितना मिलाता है ?''

''आधा।''

''साले, भ्रष्टाचार के घूसरेट फिक्स हैं । अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा। ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जाएँगे ।''

''अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो ?''

चपरासी खीझ जाता। कहता, ''अबे, पानी तो मिलाया ही कर। वरना तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे ? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है। उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का। अब तू जा और दूसरे दूधवालों को भी समझा दे। मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता।''

ग्वाला टेंट से पाँच रुपए निकालता और चपरासी को दे देता। आगे जाकर वह नगरपालिका के नल से और पानी मिला देता, क्योंकि पाँच रुपए की चोट वह क्यों भोगे ?

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

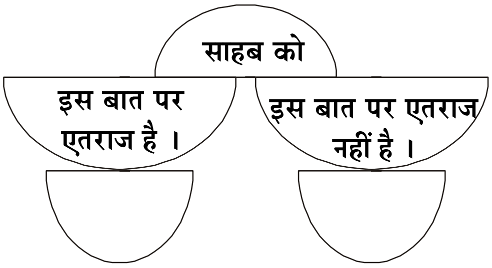

ii) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) **फूड इंस्पेक्टर तब सैंपल की बोतल भर लेता....**
- (क) जब किसी ग्वाले के दूध में पानी होता।
- (ख) जब ग्वाला उससे झगड़ा करने लगता।
- (ग) जब ग्वाला उसके साथ बुरा बरताव करने लगता।

(2) **पानी तो मिलाया ही कर वरना ....**
- (क) तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे ?
- (ख) तू क्या खाएगा और अपने बच्चों को क्या खिलाएगा ?
- (ग) तू क्या खाएगा और अपनी पत्नी को क्या खिलाएगा ?

3) i) **लिंग बदलिए।** **1**

(1) ग्वाला (2) मालिक

ii) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायी शब्द लिखिए।** **1**

(1) देहात (2) कचहरी

4) **'क्या दूध में पानी मिलाना अच्छी बात होती है ?' अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i) यह था विनायक बाबू का परिवार

(ii) बेटियों की उम्र

लोकल ट्रेन से उतरकर विनायक बाबू धीमे कदमों से साइकिल स्टैंड की ओर बढ़े। उनकी चाल में कोई उत्साह नहीं था। अभी बीस मिनट का रास्ता और तय करना है। पहले पचास मिनट लोकल ट्रेन में, उसके बाद बीस मिनट साइकिल से, तब जाकर घर नजर आता है।

हाँ, घर ही कहेंगे उसे। एक दड़बे जैसा किचन और लगभग उतना ही बड़ा कमरा। उसी कमरे में उनकी पत्नी और दो बच्चियाँ। बच्चियाँ भी काहे की! एक पूरी बाईस और दूसरी सत्रह की। इतने लोग जहाँ छत पाते हैं, क्यों कर न हुआ वह घर!

साइकिल स्टैंड के गेट पर ताला डला देखकर झल्ला-से गए विनायक बाबू। एक तो पहले ही आज काफी देर हो गई थी, उसपर से रही-सही कसर अब स्टैंड वाला पूरी किए दे रहा था। स्टैंड के शेड से ही जुड़ी हुई खोली थी। खोली के सामने उन्होंने थोड़ी बेसब्री से आवाज दी, ''गनपत, ओ गनपत!'' कोई प्रतिक्रिया न पाकर वे सिटकनी को भी दरवाजे पर मारने लगे। आवाज लगाना बदस्तूर जारी था ही था। अब दरवाजा खुला और एक काला जिस्म केवल पैंट में प्रकट हुआ। शर्ट-वर्ट सब नदारद ।

2) समझकर लिखिए। **2**

i) ट्रेन से उतरकर विनायक बाबू इस ओर बढ़े -

ii) इसलिए झल्लाए विनायक बाबू -

3) i) रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए। **1**

जैसे क्रिया → प्रतिक्रिया

(1) रूप →

(2) बिंब →

ii) **लिंग बदलिए।** **1**

(1) काला (2) बच्ची

4) 'मुंबई के मध्यमवर्गीय कामकाजी व्यक्ति का जीवन थकान एवं यातनाओं से भरा रहता है?' अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **½**

कंप्यूटर विज्ञान की अद्‌भुत देन है क्योंकि ....

ii) **उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण लिखिए।** **½**

कंप्युटर एक......

(क) जादुई बक्सा है। (ख) जादुई घड़ी है। (ग) जादुई चिराग है।

2) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

इन समस्याओं का कंप्यूटर समाधान कर देता है -

> कंप्यूटर-एक जादुई बक्सा है, जो बटन दबाते ही सारी जानकारी दे देता है। यह सचमुच विज्ञान की अद्‌भुत देन है। आज इसकी उपयोगिता इतनी बढ़ गई है कि छोटा बच्चा भी इसे चलाना आसानी से सीख लेता है। चाहे क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक की भूमिका हो या लाखों-करोड़ों की गणना हो, रेलवे आरक्षण कराना हो अथवा दफ़्तरों, बैंकों में रिकार्ड रखने हों-कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या का समाधान कर देता है। इसकी महत्ता को देखते हुए आज सभी के लिए इसकी जानकारी अनिवार्य-सी होती जा रही है। इंटरनेट के साथ जुड़ जाने से तो इसकी उपयोगिता और भी बढ़ गई है। इसके माध्यम से जो जानकारी चाहो, तुरंत मिल जाती है। यह आज मानव समस्याओं के समाधान में कल्पतरू सिद्ध हो रहा है।

3) कंप्यूटर: एक अनिवार्य आवश्यकता इस पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्‌य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

1) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i)

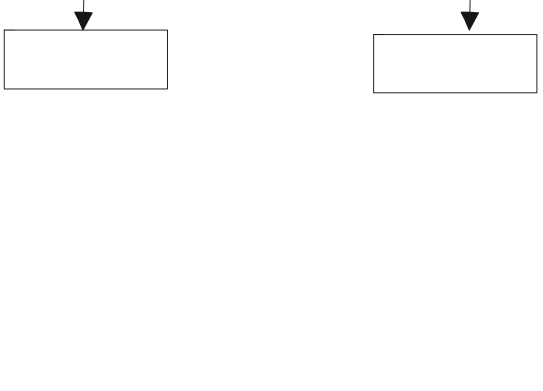

(ii) 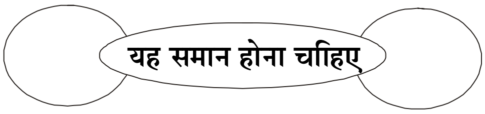

हम विभिन्न हो गए विनाश में,
हम अभिन्न हो रहे विकास में,
एक श्रेय, प्रेम अब समान हो!
शुद्ध स्वार्थ कामनींद से जगें,
लोककर्म में महान सब लगें,
रक्त में उफान हो, उठान हो!

2) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

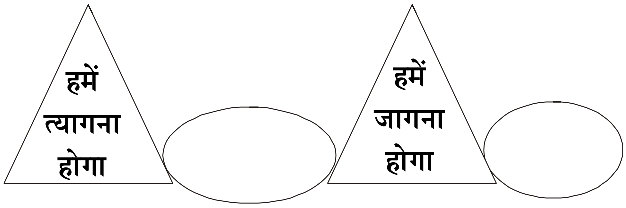

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) हमें यह महान कर्म करना है -

(2) कवि के अनुसार रक्त में ये भाव हो -

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) विभीन्न (2) स्रेय

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) समान × (2) प्रेम ×

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

"हम विभिन्न हो गए विनाश में,
हम अभिन्न हो रहे विकास में,
एक श्रेय, प्रेम समान हो।"

प्र.2. **(छ)** **पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।** **(8)**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) यह है देश की माँग -

(2) यह शत्रु को देना है -

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) **पद्यांश में आया एक फूल** → [ ]

(2) **शत्रु को जवाब देने का तात्पर्य** → [ ]

देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) 'धरती माँ तुमसे कुरबानी माँग रही है।' यह अर्थ कविता की इस पंक्ति में है-

(2) 'देश की मशाल सँभालना' इसका अर्थ है-

ii) पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए। **1**

3) i) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) संभालकर (2) मसाल

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) शत्रु × (2) युद्ध ×

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

''देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !''

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(4)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

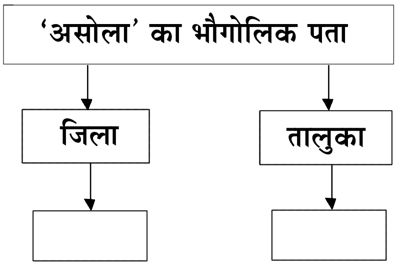

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

परिच्छेद में धनंजय के लिए इन विशेषणों का प्रयोग हुआ है -

दक्कन के पठारी प्रदेश और विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं के बीच बसा है एक छोटा– सा गाँव असोला। यह गाँव महाराष्ट्र के वाशिम जिले के मनोरा तालुके के अंतर्गत है। इसी असोला में रहता है तेरह साल का साहसी बालक धनंजय। धनंजय अपनी माँ का लाड़ला और आज्ञाकारी पुत्र है। वह अपनी माँ के साथ धार्मिक कार्यों में भी बढ़– चढ़कर हिस्सा लिया करता है। 20 अगस्त, 2002 को भी वह अपनी माँ का अनुकरण करते हुए उसके साथ गाँव के समीप बहने वाली नदी पर पूजा करने ही गया था। नहा–धोकर वे दोनों पूजा करने लगे।

2) **'आप भी धनंजय की तरह अपने माता-पिता के आज्ञाकारी पुत्र हो' इस पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।** **2**

विभाग 4 - व्याकरण **10 अंक**

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **½**

महफिल

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए।** **½**

<u>उसे</u> सुबेदार कहते हैं ।

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए।** **1**

क्रोध से उसकी नेत्र लाल हो गए ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** ½

दी -

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए।** ½

नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए।** 1

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
मिलना	----	----

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** 1

तो

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** 1

चारों तरफ से प्रश्नों की बौछार होने लगी ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए।** 2

i) वाणी का बैर टिकता है । (सामान्य भूतकाल)

ii) कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो गई है । (सामान्य भविष्यकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** 1

खून सवार होना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** 1

(चंपत होना, जान में जान आना, कमर कसना)

मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को <u>**धीरज प्राप्त हुआ**</u> ।

विभाग 5 - रचना **30 अंक**

प्र.5. सूचना :- आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : **(15)**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।** **5**

बिजली का बिल अधिक आने के कारण नासिक से रमेश / रमा पटेल त्रस्त है । इस संदर्भ में वह उपअभियंता, महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल नासिक को शिकायत पत्र लिखता/ लिखती है ।

अथवा

गुड़गाँव निवासी दिवाकर / दिव्या कदम की आर्थिक दशा दयनीय है । अत: वह अपना मासिक शुल्क माफ करवाने हेतु अपने प्राधानाध्यापक, शास्त्री विद्यालय, शास्त्री नगर, गुड़गाँव के नाम प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

2) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए।** **5**

रुपरेखा: गाँव में स्वच्छता का अभाव होना - अस्वच्छता के कारण हुई बीमारियाँ - नवयुवक दल द्वारा अभियान चलाना - गाँव स्वच्छ और स्वस्थ होना - गाँव को स्वच्छ ग्राम पुरस्कार मिलना - स्वच्छता का उपक्रम दूसरे गाँवों तक फैलना

3) **निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके।** **5**

हँसने का सामाजिक पक्ष भी होता है । हँसकर हम लोगों को अपने निकट ला सकते हैं और व्यंग्य करके उन्हें दूरस्थ बना देते हैं । जिसको भगाना हो, उसकी थोड़ी देर हँसी-खिल्ली उड़ाइए, वह तुरंत बोरिया-बिस्तर गोलकर पलायन करेगा । जितनी मुक्त हँसी होगी, उतना समीप व्यक्ति खींचेगा इसीलिए तो श्रोताओं की सहानुभूति अपनी ओर घसीटने के लिए चतुर वक्ता अपना भाषण किसी रोचक कहानी या घटना से आरंभ करते हैं। सामाजिक नियमों और मूल्यों को मान्यता दिलाने और रूढ़ियों को निष्कासित करने में पुलिस या कानून सहायता नहीं करता किंतु वहाँ हास्य का चाबुक अचूक बैठता है । हास्य के कोड़े उपहास-डंक और व्यंग्य-बाण मारकर आदमी को रास्ते पर लाया जा सकता है । इस प्रकार गुमराह बने हुए समाज की रक्षा की जा सकती है ।

प्र.6. **प्रसंग लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

1) अस्सी-पचासी वर्ष की एक वृद्धा अपने सिर पर फलों की टोकरी लेकर रास्ते से जा रही थी । अचानक उसका सिर चकराने लगा और वह बेहोश होकर नीचे गिर गई । उसकी टोकरी के फल नीचे जमीन पर चारों और फैल गए । मैंने उसे नीचे गिरते हुए देखा......

2) **विज्ञापन लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

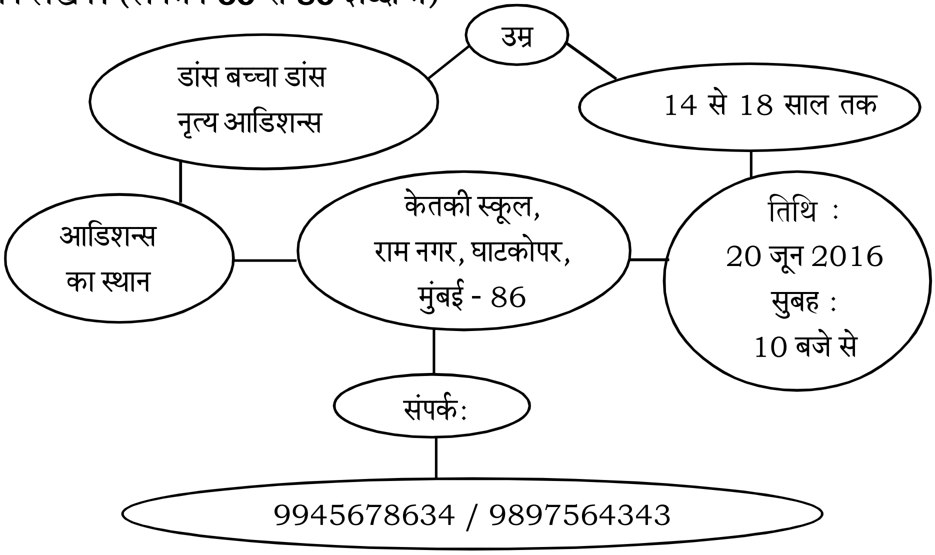

3) **स्वमत अभिव्यक्ति। (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

दूरदर्शन पर पुलिस विभाग तथा राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार के बारे में एक खबर मैंने सुनी । उसे सुनने के बाद मेरे मन में विचार आए ....

Best Of Luck